हर्षवर्धन की प्रशासनिक व्यवस्था :- All Topics

Contents : 1. Introduction : संक्षिप्त परिचय
2. Position of King : राजा की स्थिती
3. Council of Ministes : मन्त्रीपरिषद
4. secretarial : सचिवालय
5. Territorial Administration : प्रान्तिय प्रशासन
6. Village Administration : ग्राम प्रशासन
7. Millitary Administration : सैन्य प्रशासन
8. Megisterial Administration : दण्ड विभाग
9. Police Department : पुलिस विभाग
10. Revenue Department : राजस्व विभाग
11. Public welfare work : लोकहितकारी कार्य

1. Introduction :(संक्षिप्त परिचय)

प्राचीन भारतीय रंगमंच पर राजाओं में अपना महत्व-पूर्ण स्थान रखने वाला हर्षवर्धन उन राजाओं की श्रेणी को भी पार करता है, जिन्होंने भारत के लिए अपना सब कुछ त्याग किया, किसी लेखक ने उसे तो "हिन्दुकाल का अकबर" माना है। इसी तरह Raj Chaudhary ; ने भी ठीक ही प्रतिपादित किया है "He has undoubtedly one of the greatest king of ancient India. इस तरह से देखा जाता है कि हर्षवर्धन जिसका पदार्पण को पाकर भारतीय इतिहास में चार चाँद लगा एक कुशल और दक्ष विजेता, धर्मानुयायी, विद्वान एवं प्रशासन प्रबन्धक था।

अत: R.C. Majumdar ; ने भी लिखा है की वह एक अच्छा एवं दक्ष शासक भी था ही साथ ही साथ वह प्रतिभा का भी धनी व्यक्ति था।

V.A. Smith ; ने प्रतिपादित किया है की - His personal chasateristics & details of his administration as recorded by man ; who knew his work & him inten-tly enable us to realise him as living person who achieved greatness by his capacity & energy.

इस प्रकार हर्षवर्धन एक विजेता के रूप में दृष्टिगोचर होता है साथ ही साथ उसके शासन प्रबन्धकों को देखने के लिए या देखने से पता चलता है कि वह एक प्रतिभा सम्पन्न शासक भी था। उसके शासन की जानकारी हमें बाणभट्ट द्वारा प्रतिपादित हर्षचरित्र से मिलता है।

गुप्त सम्राज्य के पतोन्मुख होने के पश्चात् भारतीय राजनिती में जो अस्थिरता आ गयी थी हर्षवर्धन ने उसे